पेज- 12

# शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

पेज- 08

वर्ष: 6, अंक: 3 | RNI: RJHIN/2013/53539 | सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), 2018, मार्च, सिरोही, पृष्ठ: 12, मूल्य : 7.50 रुपए



पेज- 02 माइंड बॉडी मेडिसिन कॉन्फेंस

पेज- 03 तंबाकू से राजस्थान में हर..

पेज- 04 फिल्म समीक्षा परमात्मा कौन..

पेज- 05 स्वप्न में भी क्या, क्यों का...

पेज- 08 हमारे एक-एक संकल्प में...

पेज- 11 गीता से आएगी सांस्कृतिक...


# दो एकड़ में पुणे का पहला विशाल रिट्रीट सेंटर बनकर तैयार

**विशेषता...** रिट्रीट सेंटर के हर कमरे तक पहुंचेगी सूर्य की रोशनी, निःशुल्क लाइब्रेरी भी

## सूर्य की आभा से आलोकित होगा 'जगदम्बा भवन' का हर कोना

हाल ही में जगदम्बा भवन का शुभारंभ किया गया, जिसमें राजयोगिनी दादी जानकी, मंत्री गिरीश बापट व राज्यमंत्री विजय शिवतारे मौजूद रहे। विस्तृत पेज ...06 पर

शिव आमंत्रण ■ पुणे

बहुप्रतीक्षित जगदम्बा भवन बनकर तैयार हो गया। आईटी नगरी पुणे के समीप बना यह भवन आध्यात्मिकता की नई ज्योति जगाएगा। अब यहां से हजारों लोग राजयोग मेडिटेशन और ईश्वरीय ज्ञान की शिक्षा लेकर अपने जीवन को दिव्य बनाने के लिए प्रेरित होंगे।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का ड्रीम प्रोजेक्ट तथा गॉडलीवुड स्टूडियो के पूर्व चेयरमैन बीके रमेश शाह के दृढ़ संकल्पों का बीज है। जो जगदम्बा भवन के रूप में साकार हो गया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका जगदम्बा सरस्वती ने सबसे पहले यहां आध्यात्मिक ज्ञान का संदेश दिया था। दादी जानकी ने यादगार के रूप में इसे मूर्त रूप दिया।

### ऐसा है जगदम्बा भवन

**02** एकड़ में फैला है भवन।

**700** लोगों की क्षमता का 'ज्ञान वीणा सभाग्रह'।

**4000** लोग ओपन एयर एमपी थियेटर में बैठ सकेंगे।

**100** लोग की क्षमता का ऑडियोरियम और मेडिटेशन रूम

**200** लोगों के आवास-निवास की व्यवस्था फिलहाल (भविष्य में 200)

### ऐसे पहुंचे जगदम्बा भवन

Survey No. 20/B, Near SMEF's School of Architecture, Undri- Pisoli Shiv Road, lane near Ambekar hotel / Ashirwad Furniture Mall, Katraj-Hadapsar by-pass highway, Undri, Pune, Maharashtra 411060

### इन खासियतों ने इस भवन को बनाया खास....

- लाइट एंड साउंड के साथ आकर्षक आर्ट गैलरी बनाई गई है जो बहुत ही मनमोहक और सुंदर है।
- यहां शहरवासियों के लिए निःशुल्क विशाल लाईब्रेरी की भी स्थापना की गई है, जहां कोई भी व्यक्ति बैठकर किताबें पढ़ सकता है। इसमें हजारों पुस्तकों का भंडार है।
- थ्रीडी वर्चुअल रियलिटी डोम बनाया गया है जिसमें चारों तरफ स्क्रीन लगी होगी। इसमें 20 व्यक्ति बैठ सकेंगे।
- पौने चार लाख लीटर का वॉटर हार्वेस्ट प्रोजेक्ट
- मम्मा की याद में उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों को लेकर हिस्ट्री रूम भी बनाया गया है।

### पुणे रही मम्मा की कर्मभूमि....

संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) ने सबसे पहले 60 के दशक मे पुणे में इस ईश्वरीय और आध्यात्मिक ज्ञान का बीजारोपण किया था। इसके बाद यहां करीब 16 साल तक मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने ईश्वरीय ज्ञान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। दादी ने त्याग, तपस्या और अथक सेवा से जो पौधा लगाया था आज वह पुणे में वटवृक्ष का रूप ले चुका है। पुणे में जगदम्बा सरस्वती द्वारा की गई अथक सेवाओं की स्मृति स्वरूप यहां विशाल रिट्रीट सेंटर बनाने का सपना दादी जानकी के मन में था। इसलिए इस रिट्रीट मेडिटेशन सेंटर का नाम जगदम्बा भवन रखा गया।

**सकारात्मक बदलाव** | जेल के अंदर ही बनाया मेडिटेशन रूम, कैदी रोज करते हैं ईश्वरीय महावाक्यों का मनन-चिंतन

## ब्रह्माकुमारियों की पहल से सुधारगृह में तब्दील हो गया हरियाणा का भिवानी जेल, सुबह 4 बजे से ही लगती है मेडिटेशन की क्लास

शिव आमंत्रण ■ शिवानी

हरियाणा में एक ऐसी भी जेल है जहां के कैदी और बंदी सुबह चार बजे उठकर ईश्वर की आराधना में लीन हो जाते हैं। इसके बाद सिलसिला शुरू होता है ईश्वरीय महावाक्य के श्रवण और चिंतन का। वहीं शाम को भी ईश्वर का ध्यान लगाना इनकी दिनचर्या में शामिल हो गया है।

हम बात कर रहे हैं भिवानी की जिला जेल की। यहां की ब्रह्माकुमारी बहनों की अथक मेहनत और आध्यात्मिक ज्ञान से जेल में बंद कैदियों के विचारों और कर्म में तेजी से सकारात्मक बदलाव आए हैं। मूल्यनिष्ठ शिक्षा का असर ये हुआ कि अब यहां कैदी रोज राजयोग मेडिटेशन करने लगे हैं। इससे पूरी जेल का ही वातावरण सकारात्मक हो गया है। कुछ समय पूर्व जेल में बंद एक कैदी ने छूटने के बाद यहां अपने पिता की स्मृति में मेडिटेशन कक्ष बनवाया है।

जेल में मेडिटेशन कक्ष का शुभारंभ करते जेल अधीक्षक व ब्रह्माकुमारी बहनें।

### हो गया सद्भाव का माहौल...

यहां रोज 20 से अधिक कैदी भाई राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करते हैं। इनमें से 10 कैदी भाई रोज सुबह चार बजे से ईश्वरीय ध्यान लगाते हैं। आध्यात्मिक ज्ञान से इनके सोचने का ही नजरिया बदल गया है। अब ये कैदी पहले की अपेक्षा शांत रहते हैं और जेल में भी सद्भाव का माहौल हो गया है। इस अभिनव पहल में जेल अधीक्षक सत्यवान, बीके सुमित्रा, बीके कीर्ति की सराहनीय भूमिका रही।

## राष्ट्रपति से बीके मृत्युंजय ने की मुलाकात माउण्ट आबू आने का दिया निमंत्रण

*शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और यूपी के पूर्व शिक्षा मंत्री अमरजीत सिंह सक्सेना से मुलाकात की। साथ ही परमपिता शिव परमात्मा का सुंदर चित्र भेंट किया। इस दौरान बीके मृत्युंजय ने संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की जानकारी भी दी। शिक्षा प्रभाग की एक्जीक्यूटिव मेंबर बीके शिविका भी मौजूद थीं।*